एक स्त्री यीशु के पॉव धोती है

बच्चे अराधना करना सीखे

बच्चो की उम्र और आवश्यकताओं के अनुसार सीखने का कार्यक्रम चुने।

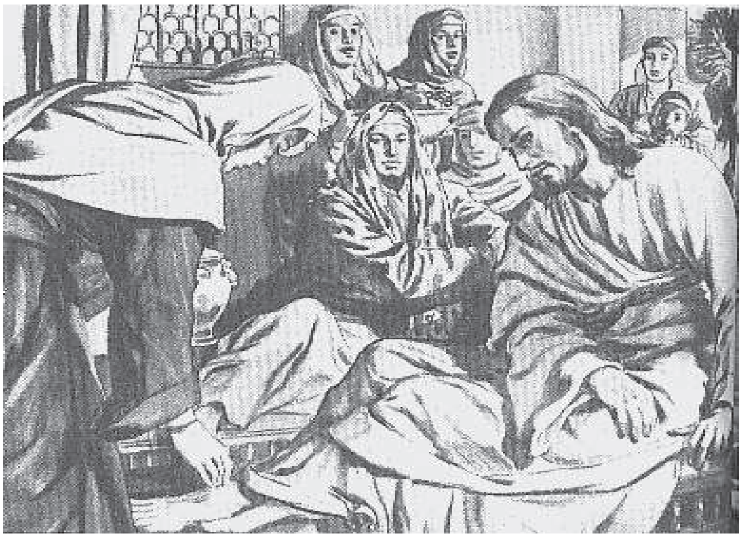

अगर आसान हो तो बच्चे इस चित्र की नकल करे या रंग भरे।

कोई बड़ा बच्चा या अध्यापक **लूका 7:36-50** में से कहानी पढ़े और उस स्त्री के विषय में बताए जिसने अपने आसूओं से यीशु के पैर धोए। उसने हमको बताया कि हमें भी यीशु को सबसे अच्छा देना है और हृदय से उसकी अराधना करनी है।

यह प्रश्न पूछिए। उनके उत्तर हर प्रश्न के बाद है।

- किस तरह की औरत यीशु को मिलने आई थी *(लूका 7:37)*
- स्त्री ने किस तरह यीशु को अपना प्रेम प्रकट किया *(लूका 7:38)*
- फरीसी क्या चाहते थे कि यीशु स्त्री के बारे में करे *(विरोध करे और दूर कर दे, लूका 7:39)*
- यीशु को किसने अधिक प्रेम किया, फरीसी या स्त्री *(लूका 7:40-43)*
- यीशु ने स्त्री के लिए क्या किया *(लूका 7:48)*

लूका अध्याय सात से आराधनामय स्त्री की कहानी नाटक करें। कलिसियाई आराधना के बच्चों को नाटक करने का प्रबन्ध करें। बच्चो को नाटक की तैयारी में समय दें। वह सारे पात्र अभिनीत नहीं करेगें। यदि पात्रो के लिए काफी लोग नहीं है तो वर्णनकर्त्ता साधारण रूप से लोगों को नाटक के लिए निर्देश दे सकता है और कहें कि उन्हें क्या कहना है।

- बड़े बच्चो और पुरूष यीशु और वर्णनकर्त्ता का पात्र करे।
- जवान बच्चे सिमौन फरिसी और स्त्री जिसके हाथ में बोतल हो, जो इत्र दर्शाती हो (इसका अभिनय करे) अभिनय करें।

वर्णनकर्त्ता: लूका 7:36-39 से कहानी का पहला भाग बताए।

कहे, "सुनो सिमौन क्या कहता है।"

सिमौन: यीशु, मैं बहुत आभारी हूँ कि आप हमारे साथ खाने आए। आइए, बैठ जाइए"।

(यीशु सिमौन और फरिसी बैठते हैं।)

फरीसीः देखो, यीशु कोई बहुत खास नहीं है।
सिमौन ने चुम्बन से उसका स्वागत नहीं किया,
और न ही यीशु के पैर धोए
उसने उसके सिर पर इत्र भी नहीं डाला।

स्त्रीः यीशु के पास घुटने टेकते हुए और रोते हुए, उसके पैरो पर इत्र डालकर बालो से पोंछने का दिखावा करते हुए।

फरीसीः इस खूबसूरत इत्र की महक सूंघों।

यह बहुत कीमती इत्र है, कैसे बरबाद कर दिया।

सिमौनः यीशु, मेरी सुनो, उस स्त्री का चरित्र ठीक नहीं है। आप उसे अपने को छूने मत दो और उसको बाहर भेज दो।

वर्णनकर्त्ताः लूका 7:40-47 से कहानी का दूसरा भाग बताओ।

कहो, "सुनो यीशु क्या कहता है"।

यीशुः सिमौन, किसी व्यक्ति को कर्जदार थे। एक थोड़ा कर्जदार था दूसरा ज्यादा कर्जदार। दोनों महाजन का कर्ज नहीं चुका सकते थे, उसने दोनो के कर्ज माफ कर दिया। उसने उनका सारा कर्ज क्षमा कर दिया। तुम क्या सोचते हो, उन दोनो में से कौन उससे अधिक प्रेम करेगा।

सिमौनः वह जिसका कर्ज अधिक है।

यीशुः तुम ठीक कहते हो। मैं तेरे घर आया, लेकिन तूने मुझ से प्रेम नहीं किया। फिर भी, इस स्त्री ने मुझे बहुत प्रेम किया और चूमा।

वर्णनकर्त्ताः लूका 7:48-50 से कहानी का तीसरा भाग बताएँ और कहें, "सुनो यीशु क्या कहता है"।

यीशुः स्त्री, मैंने तेरे पाप क्षमा किए।

फरीसी (गुस्से से): यह आदमी पाप कैसे क्षमा कर सकता है।

यीशुः स्त्री, तुम्हारे विश्वास ने तेरा उद्धार किया है, कुशल से चली जा।

वर्णनकर्त्ता और बड़े बच्चे उन सबका धन्यवाद करे, जिन्होंने नाटक में सहायता की।

अगर बच्चे बड़ो के लिए यह नाटक करते हैं तो वह बड़ो से ऊपर दिए गए प्रश्न भी पूछें।

बच्चे इत्र की बोतल का चित्र बनाएँ। बड़े छोटो की सहायता करें। वह अपना चित्र आराधना के समय बड़ो को दिखा सकते हैं और बताए कि हम यीशु की आराधना, सबसे उत्तम, जो हमारे पास है कैसे कर सकते हैं। हम अपने हृदय से उसकी आराधना करें। बच्चों से पूछो हम किस प्रकार यीशु को अपना प्रेम प्रकट कर सकते हैं। (बच्चो को उदाहरण देने दे)

रोमियो 12:1 याद करें।

कविताः तीन बच्चे भजनसंहिता 150:1-6 के दो दो पदों का उच्चारण करें। बड़े बच्चे छोटी कविता या गीत द्वारा यीशु को अपना प्रेम प्रकट करें। वह यह सप्ताह के बीच कर सकते हैं।

परमेश्वर की स्तुति में गाओ।

प्रार्थनाः प्यारे प्रभु, आपने हमारे हृदयों में महान प्रेम दिया है। हम अपना प्रेम आपको प्रकट करना चाहतें है। हम आपकी आराधना करते हैं। हम आपकी सेवा करना चाहते हैं। आपका धन्यवाद हो कि आपने हमें क्षमा किया और अपने बच्चें होने का अधिकार दिया।